during the year 1991-92 the total sales were 6,75,000 US dollars, generating a net foreign exchange surplus of 54,000 US dollars. With regard to Algeria or Moscow or the other Warsaw Pact countries, these are specific projects which were completed. If he wants the figures on exactly how much the contribution of E.T. & T. was, I shall send them to him.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 124.

हिमाचल प्रदेश में निम्न शक्ति के ट्रांसमिशन टावरों का निर्माण

*124. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश में सुंदर नगर, आहजू तथा पालमपुर में निम्न शक्ति के ट्रांसमिशन टावरों के निर्माण के संबंध में नवीनतम स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि हिमाचल प्रदेश की कठिन भौगोलिक स्थिति के कारण वहां अभी तक केवल 58 प्रतिशत जनता ही दूरदर्शन कार्यक्रम देख पाती है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार 1992-93 के दौरान ऐसी कौन-कौन सी योजनाएं/कार्यक्रम आरम्भ करने का विचार रखती है जिनसे राज्य की शेष जनता भी दूरदर्शन के कार्यक्रम देख सके?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) सुन्दरनगर में प्रस्तावित अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर के लिए स्थल तथा आहजू फोटहू में अति अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर के लिए किराए की इमारत तय कर ली गई है और पालमपुर में अति अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ट्रांसमीटरों तथा सहायक उपकरणों की आपूर्ति के लिए भी निर्माताओं को आर्डर दे दिए गए है।

(ख) जी, हां।

(ग) भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित ट्रांसमीटरों के अलावा जहां शिमला के मौजूदा अल्प शक्ति (100 वाट) टी.वी. ट्रांसमीटर के स्थान पर उच्च शक्ति (1 कि. वा.) टी. वी. ट्रांसमीटर लगाने का काम अंतिम चरण में है, जहां धर्मशाला के मौजूदा अल्प शक्ति (100 वाट) टी.वी. ट्रांसमीटर के स्थान पर उच्च शक्ति (10 कि.वा.) टी.वी. ट्रांसमीटर लगाने का काम पर्याप्त साधनों की उपलब्धता तथा परस्पर प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है।

श्री **महेश्वर सिंह** महोदया, जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है, उसे मैंने देखा है। दो वर्ष पूर्व भी मैंने इसी संदर्भ में लोक सभा में एक प्रश्न पूछा था। तब भी मंत्री महोदय का यही उत्तर था कि हिमाचल प्रदेश में 58.7 प्रतिशत एरिया कवर्ड है और आज दो वर्ष के बाद भी स्थिति वहीं की वहीं है। एक प्रतिशत और नया क्षेत्र नहीं जोड़ा जा सका है।

तो मैं माननीय मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि हिमाचल प्रदेश और इसके अतिरिक्त जितने और भी पहाड़ी प्रांत हैं, क्या इनके लिए वर्षशः कोई एक लक्ष्य सरकार ने तय किया है कि इतना-इतना एरिया हर वर्ष नया कवर किया जाएगा?

जो सूचना सभा पटल पर रखी गई उसके अन्तर्गत मैं यह भी जानना चाहूंगा कि पालमपुर, शिमला, धर्मशाला सुंदरनगर और आहजू में जो कार्य चल रहा है, चाहे वह तो-पावर ट्रांसमीटर का है, चाहे हाई पावर ट्रांसमीटर का है, वह कब तक पूरा हो जाएगा?

कुमारी गिरिजा व्यास : महोदया, मैं इस बात से तो सहमत हूं कि मैदानों की तुलना पहाड़ पर कार्य थोड़ा रुकावट से होता है और उसका कारण स्वयं सदस्य महोदय और हम सभी जानते हैं कि हिल्ली एरिया होने के कारण उतना कवरेज नहीं हो सकता।

दूसरे वहां पर पहुंचना बहुत मुश्किल होता है। पहले सड़क बनाना, सड़क के बाद ट्रांसमीटर की स्थापना करना, टावर लगाना, यह सब कठिन कार्य है, लेकिन मुझे सदन को बताते हुए खुशी है कि आपने कहा कि दो वर्ष में कोई प्रगति नहीं हुई, लेकिन मुझे बताते हुए खुशी है कि दो वर्ष में काफी प्रगति हुई है। तीन, जैसा कि हमने उत्तर में भी कहा है, सुन्दरनगर, आहजू, पालमपुर में कार्य काफी प्रगति पर है। सुन्दरनगर में जमीन ले ली गई है, आहजू में रेंटिड बिल्डिंग ले ली गई है और पालमपुर में भी जमीन, अभी मुझे बताया गया कि पिछले सप्ताह ही, ले ली गई है। इसलिए 1992–93 में यह तीनों कार्य पूरे हो जायेंगे।

इसके अतिरिक्त मुझे यह बताते हुए खुशी है कि शिमला में छोटे ट्रांसमीटर को, एल.पी.टी. से बदल कर एच.पी.टी. लगाने का कार्यक्रम बहुत प्रगति पर है। उसके अतिरिक्त शिमला में ही एक स्टूडियो की स्थापना कार्य भी काफी प्रगति पर चल रहा है। इसी वर्ष हाई पावर्ड ट्रांसमिशन शिमला में कायम हो जाएगा और स्टूडियो अगले वर्ष तक पूरा हो सकेगा। साथ ही मैं यह भी निवेदन करना चाहती हूं कि वर्ष 1992–93 के लिए एक योजना धर्मशाला में भी हाई पावर्ड ट्रांसमीटर के लिए है। इन सब योजनाओं के लिए 58.7 जो अभी कवर्ड है वह बढ़ कर 70.5 प्रतिशत हो जाएगा। उसके अतिरिक्त मैं सदन में यह भी निवेदन कर दूं कि मंत्रालय पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि दूर-दराज के इलाकों में, हिल्ली एरियाज में, बार्डर एरियाज में, ट्रायबल बैल्ट में या रेगिस्तानी इलाकों में हमारा कवरेज जाना चाहिए। मंत्री महोदय ने एक सप्ताह पूर्व और आज पुनः सभी जितने अधिकारी हैं उनको आगाह किया है कि वे इस कार्यक्रम को लेकर के आएं कि इन एरियाज में अधिक से अधिक कवरेज कैसे दे सकें। इसलिए मंत्रालय पूरी तरह प्रतिबद्ध, है।

श्री महेश्वर सिंह : महोदया, क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या इन तीन स्थानों के अतिरिक्त हिमाचल सरकार ने और स्थानों पर भी लो पावर्ड ट्रांसमिशन लगाने की कोई सिफारिश की है और क्या वह इस बात से अवगत है कि कुल्लू में जो लो पावर्ड ट्रांसमिशन इस समय कार्य कर रहा है केवलमात्र 6 किलोमीटर का ही एरिया कवर कर पाता है? इस बात को ध्यान में रखते हुए उनके विभाग ने क्या सरकार को इस प्रकार की सिफारिश की है कि इस लो पावर्ड ट्रांसमिशन को आगमेंट किया जाए या बिजली महादेवक नामक स्थान में हाई पावर्ड ट्रांसमिशन लगाया जाए? यदि हां, तो क्या सरकार ऐसे कार्य के लिए कोई बजट में विशेष प्रावधान करेगी और मंत्री महोदया विभाग को इस प्रकार के निर्देश देंगी कि इसी वर्ष में लो पावर्ड ट्रांसमिशन को या तो बदला जाए या आगमेंट किया जाए?

कु० गिरिजा व्यास : माननीया महोदया, कुल्लू में कवरेज बहुत कम होता है इसी दृष्टि से मनाली में एल.पी.टी. है। लेकिन मुझे बताते हुए खुशी है कि 1992–93 की नई योजना में सुजानपुर, खड़ा-पत्थर और दलाश को और लिया गया है और यह काफी एक्टिवली विचाराधीन है।

श्री महेश्वर सिंह : महोदया, इसका कुल्लू से कोई संबंध नहीं है जो जगह यह बतला रहे हैं, मैं तो स्पेसेफिक कुल्लू के बारे में पूछ रहा हूं। आपने जो खड़ा-पत्थर वगैरह कहा यह तो कुल्लू से बहुत दूर है। यह दूसरे जिले में आता है।